

पारुवेत उत्सवम्

स्रोत: द हट्टि

इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज (INTACH) संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (UNESCO) द्वारा वार्षिक उत्सव 'पारुवेत' (कृत्रिम शिकार प्रशिक्षण अभ्यास) को 'अमूर्त सांस्कृतिक वरिसत' घोषित कराने के लिये प्रयास कर रहा है।

पारुवेत उत्सवम् क्या है?

परिचय:

- यह **आंध्र प्रदेश** के **अहोबलिम** में श्री नरसमिहा स्वामी मंदिर में मनाया जाने वाला एक **वार्षिक उत्सव** है जिसमें **कृत्रिम शिकार प्रशिक्षण अभ्यास** भी किया जाता है।
 - मठ के 7वें जीयर (पॉटफि)** द्वारा लिखित संस्कृत नाटक वसंतिका परणियम से पता चलता है कि 'गुरु परंपरा' के माध्यम से 600 वर्ष पुराने **अहोबलि मठ** के शासन के तहत मंदिर ने आदवासी समुदायों के बीच **श्रीवैष्णववाद** का प्रचार प्रसार किया।
- यह उत्सव **सांप्रदायिक सद्भाव का प्रतीक** है, जिसके दौरान मंदिर के **गर्भगृह से देवता को 40 दिनों (एक मंडला) के लिये अहोबलिम के आसपास 32 चेंचू आदवासी बस्तियों** में ले जाया जाता है।
- आध्यात्मिक यात्रा की शुरुआत आदवासी व्यक्तियों द्वारा अपने धनुष से नशाना साधने और पालकी पर दो तीर चलाने से होती है, जो देवता के प्रतीक श्रद्धा के साथ उनकी सुरक्षात्मक नगिरानी का प्रतीक है।
- संक्रांति उत्सव** उस दिन मनाया जाता है जिस दिन देवता उनके गाँव पहुँचते हैं।
 - जबकि पारुवेत आमतौर पर वज्रयादशमी अथवा संक्रांतिके दौरान कई मंदिरों में मनाया जाता है, **यहकेवल अहोबलिम में है कि इसे 'मंडला' (चालीस दिनों) के लिये आयोजित** किया जाता है।
 - चेंचू पीले वस्त्र तथा तुलसी माला पहनकर **'नरसमिहा दीक्षा'** लेते हैं और इस अवधि के दौरान ब्रह्मचर्य का पालन करते हैं।
- पंचरात्र आगम** (मंदिर पूजा का सदिधांत) **पारुवेत** को **'मृगयोत्सव'** के रूप में संदर्भित करता है साथ ही मंदिर पूजा में इसके महत्त्व पर बल देते हुए इसके आचरण के लिये दशा-नरिदेश प्रदान करता है।

लोककथाएँ:

- लोककथाओं में यह कहा जाता है कि **भगवान वशिष्ठ** ने अपने नरसमिहा अवतार में **महालक्ष्मी** से विवाह किया था, जो अहोबलिम में **चेंचूलक्ष्मी** नाम की एक आदवासी लड़की के रूप में अवतरति हुई, जहाँ चेंचू जनजातियों ने नरसमिहा को अपने बहनोई के रूप में सम्मानित किया और उन्हें मकर संक्रांतिके लिये घर आमंत्रित किया।

चेंचू जनजाति:

- चेंचू**, जिसे **'चेंचुवारु'** या **'चेंचवार'** भी कहा जाता है, संख्यात्मक रूप से ओडिशा की सबसे छोटी **अनुसूचित जनजाति** है।
- वे मुख्य रूप से भारत के दक्षिणपूर्वी भाग में **नल्लामलाई पहाड़ी** शृंखला में नवास करते हैं।
 - वे आंध्र प्रदेश की मध्य पहाड़ियों की **एक आदवासी अर्ध-धुमंतू जनजाति** हैं।
- उनका पारंपरिक जीवन जीने का तरीका शिकार और भोजन एकत्र करने पर आधारित रहा है।
- चेंचू जनजातियाँ आंध्र प्रदेश के साथ-साथ तेलंगाना की विशेष रूप से **सुभेध जनजातीय समूह (PVTGs)** हैं।

अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर क्या है?

- अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर** वे प्रथाएँ, अभिव्यक्तियाँ, ज्ञान और कौशल हैं जिन्हें समुदाय, समूह तथा कभी-कभी व्यक्ति अपनी सांस्कृतिक धरोहर के हिससे के रूप में पहचानते हैं।
- इन्हें जीवंत सांस्कृतिक धरोहर भी कहा जाता है और आमतौर पर निम्नलिखित रूपों में से एक के रूप में व्यक्त किया जाता है:
 - मौखिक परंपराएँ
 - कला प्रदर्शन
 - सामाजिक प्रथाएँ
 - अनुष्ठान एवं उत्सव कार्यक्रम
 - प्रकृति और ब्रह्मांड से संबंधित ज्ञान तथा अभ्यास
 - पारंपरिक शिल्प कौशल

वर्ष	यूनेस्को द्वारा परंपरा को अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के रूप में मान्यता
2023	गुजरात का गरबा
2021	कोलकाता में दुर्गा पूजा
2017	कुंभ मेला
2016	नवरोज़, योग
2014	जंडियाला गुरु, पंजाब, भारत के ठठेरों में बर्तन बनाने की पारंपरिक पीतल तथा ताँबे की शलिपकला
2013	मणापुरि का संकीर्तन, अनुष्ठान गायन, ढोल बजाना एवं नृत्य
2012	लद्दाख का बौद्ध मंत्रोच्चारण: ट्रांस-हिमालयी लद्दाख क्षेत्र में पवित्र बौद्ध ग्रंथों का पाठ
2010	राजस्थान का कालबेलिया लोक गीत तथा छाऊ नृत्य,
2009	रममाण, भारत के गढ़वाल हिमालय का धार्मिक त्योहार और अनुष्ठान रंगमंच
2008	कुटियाट्टम, संस्कृत रंगमंच, वैदिक मंत्रोच्चारण की परम्परा रामलीला, रामायण का पारंपरिक प्रदर्शन

इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज (INTACH) क्या है?

- INTACH की स्थापना भारत में संस्कृतिक धरोहर के बारे में जानकारी के प्रसार और संरक्षण के उद्देश्य से वर्ष 1984 में नई दिल्ली में की गई थी।
- यह [सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860](#) के तहत पंजीकृत एक गैर-लाभकारी धर्मार्थ संगठन है।
- INTACH ने न केवल अमूर्त धरोहर बल्कि प्राकृतिक धरोहर के संरक्षण में अभूतपूर्व कार्य किया है।
- वर्ष 2007 में [संयुक्त राष्ट्र](#) ने INTACH को संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद के साथ एक विशेष सलाहकार का दर्जा प्रदान किया।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

Q. हाल ही में नमिनलखिति में से कसिसे यूनेस्को की वशि्व धरोहर सूची में सम्मलिति कयिा गया है?(2009)

- दलिवाड़ा मंदरि
- कालका-शमिला रेलवे
- भीतरकनकिा मैंग्रोव क्षेत्र
- वशिाखापत्तनम से अराकू घाटी रेलवे लाइन

उत्तर: (b)

Q. हाल ही में नमिनलखिति में से कसिकी पांडुलिपिथिों को यूनेस्को के मेमोरी ऑफ वर्ल्ड रजसिटर में सम्मलिति कयिा गया है? (2008)

- अभधिम्म पटिक
- महाभारत
- रामायण
- ऋग्वेद

उत्तर: (d)

